नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 15.09.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में अभियन्ता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मे व्याख्यान देते हुए रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने कहा कि महान अभियन्ता एवं भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस को अभियन्ता दिवस (इंजीनीयर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया अभूतपूर्व प्रतिभा से धनी थे इन्होने इंजीनीरिंग के क्षेत्र में अनेक ऐसे कार्य किए जिसमें इसकी ख्याति देश विदेश में फैल गयी थी। हैदराबाद के निजाम के कहने पर इस इलाके की मूसा नदी की बाढ़ एवं उसके कारण उत्पन्न जल संकट का हल निकाला। इसके साथ ही कावेरी नदी पर कृष्ण सागर बाँध बनाकर सिंचाई के लिए पानी और जल शक्तिसे बिजली पैदा करने की व्यवस्था की जलशाक्ति से बिजली पैदा करने का यह भारत में पहला प्रयास था। विश्वेश्वरैया उद्योग को देश का प्राण मानते थे इसलिए उन्होने पहले से मैजूद उद्योगो को जापान और इटली के विशेषज्ञों की मदद से और अधिक विकसित किया। धन की जरूरत पूरा करने के लिए उन्होने बैंक आफ मैसूर खुलवाया। तथा इस धन का उपयोग उन्होंने उद्योग–धंधे विकसित करने में किया। विश्वेश्वरैया शिक्षा के महत्व को भलीभाँति समझते थे। लोगों की गरीबी और कठिनाइयों का मुख्य कारण वे अशिक्षा को मानते थे। मैसूर के दीवान के रूप में अपने कार्यकाल में मैसूर के स्कूलों की संख्या 4500 से बढ़ाकर 10500 कर दिए तथा मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी उनका योगदान रहा। उन्होंने कई कृषि, इंजीनीयरिंग व औद्योगिक कॉलेज भी खुलवाया। ओजोन दिवस 16 सितम्बर के पूर्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता ने कहा कि ओजान परत पृथ्वी पर पड़ने वाली हानिकारक किरणों को रोकता है। जिसमें छरण हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगो को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल डॉ. अरूण राव सहित शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी